## HINDI हिन्दी

नवमी कक्षा तक आते-आते भाषायी कौशल पर बच्चों का अच्छा अधिकार हो जाता है। अर्थात् वे अपने स्तर के विषयों की रचनाएँ पढ़कर समझ सकते हैं तथा उन पर मौखिक और लिखित प्रतिक्रिया व्यक्त कर सकते हैं।

### सामान्य उद्देश्य

छात्रों में -

1. भाषा के शुद्ध, उपयुक्त एवं प्रभावपूर्ण प्रयोग की योग्यता का विकास हो।
2. शब्द भंडार की वृद्धि तथा उसके यथोचित प्रयोग की योग्यता का विकास हो।
3. अर्थबोध के साथ सुनने और पढ़ने की योग्यताओं का विकास हो।
4. मौखिक एवं लिखित अभिव्यक्ति की योग्यताओं का विकास हो।
5. ज्ञान एवं आनंद प्राप्ति के लिए स्वतंत्र रूप में पढ़ने की योग्यता का विकास हो।

छात्र -

6. साहित्य की विविध विद्याओं से परिचित हों।
7. साहित्य के रसावादन की योग्यता विकसित कर सकें।
8. साहित्य के अध्ययन द्वारा मनोभावों को उदात्त बनाकर सद्वृत्तियों का विकास कर सकें।
9. पाठ्यपुस्तकों में आए हुए साहित्यकारों का सामान्य परिचय प्राप्त कर सकें।
10. चिन्त-शक्ति विकसित कर सकें।

### विशिष्ट उद्देश्य

(क) मौखिक अभिव्यक्ति की योग्यता बढ़ाना -

1. सामाजिक, राजनैतिक, वैज्ञानिक, साहित्यिक एवं सांस्कृतिक विषयों पर बातचीत, संवाद, परिचर्चा, एवं वाद-विवाद में भाग लेने से)।
2. स्वागत करना, परिचय लेना-देना और धन्यवाद देना, कृजज्ञताज्ञापन, संवेदन (बधाई आदि की भाषा से परिचित होकर यथावसर व्यवहार में लाने से।
3. 5 से 10 मिनट तक भाषण देने से।
4. अभिनय में भाग लेने से

(ख) पठन-योग्यता का विकास -

1. मुखर वाचन में, अपेक्षित गति तथा अनुमान के साथ शुद्ध पढ़ने से।

2. अर्थबोध एवं गति के साथ मौन वाचन करने से।
3. शब्द के तीनों अर्थों - वाच्यार्थ, लक्ष्यार्थ और व्यंग्यार्थ को समझ लेने से।
4. पढ़कर केंद्रीय विचार एवं सार ग्रहण करने से।
5. शब्द-कोश, संदर्भ-ग्रंथ, विषय-सूची, अनुक्रमणिका आदि देखकर, वांछित सामग्री ढूंढकर उसका उपयोग करने से।
6. आलोचनात्मक दृष्टि से पढ़ने और पठित सामग्री पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करने से।
7. ज्ञान, आनंद व प्रेरणा से पढ़ने से।
8. पाठ्यवस्तु और उसकी सराहना करने से।
9. साहित्य के प्रति अभिरुचित का विकास करने से।

(ग) शब्द भंडार :

1. स्तरानुसार शब्दों और मुहावरों के ज्ञान में क्रमिक वृद्धि करना।
2. उपसर्ग, प्रत्यय, संधि, समास आदि के आधार पर शब्दों के अर्थ मालूम करना।
3. शब्दकोश की सहायता से नवीन शब्दों के प्रसंगानुकूल अर्थ-ज्ञात करना।
4. संदर्भ अनुसार शब्दों के अर्थ पहचानना।

(घ) अर्थबोध एवं सराहना :

1. पाठ में वर्णित प्रमुख तथ्यों, भावों एवं विचारों का चयन करना और उसके पारस्परिक संबंध पहचानना।
2. पाठकी विषय-वस्तु तथा उसके केंद्रीय भाव का समझना।
3. पठित पाठकी पूर्व ज्ञान से तुलना एवं मूल्यांकन करना।
4. कवि / लेखक के मनोभाव को समझना।
5. पाठ में अभिव्यक्ति विचार एवं शैली पर अपनी सहमति देना।
6. पठित-अपठित अनुच्छेदों के शीर्षक देना।
7. कविता के प्रमुख उपादान तुक, लय, यति आदि से परिचित होना।
8. शब्द-चित्र एवं अलंकारों-अनुप्रास, श्लेष, यमक, रूपक, उपेक्षा को समझना।

(ङ) वर्तनी और भाषा :

1. लिपि के मानक रूप का ही व्यवहार करना।
2. परिचित शब्द शुद्ध रूप से लिखना।



https://byjus.com

3. रूप-विज्ञान एवं ध्वनि विज्ञान के नियमों के आधार पर शब्दों की उचित वर्तनी जानना।
4. विराम चिह्नों का शुद्ध प्रयोग करना।
5. लेखन के लिए व्यवहारोपयोगी शब्द-भण्डार की वृद्धि करना और उनका उपयुक्त एवं प्रसंगानुकूल प्रयोग करना।
6. शब्दों, मुहावरों और पदबंधों का प्रभावशाली और उपयुक्त करना तथा समानार्थक शब्दों के प्रयोग में सावधानी बरतना।
7. शुद्ध प्रभावपूर्ण भाषाओं तथा लेखन शैली का स्वाभाविक रूप से प्रयोग करना।
8. विषय, उपयुक्त अनुछेदों में बाँटकर लिखना।

(च) रचना-कौशल :

1. उपन्यास
2. नाटक
3. कहानी संकलन
4. एकांकी संकलन
5. रेखा चित्र / संस्मरण
6. आत्म-कथा/जीवनी
7. इनके अतिरिक्त सामाजिक, आर्थिक, औद्योगिक, व्यावसायिक, राजनैतिक, सांस्कृतिक, खेल-कूद, यात्रा आदि विषयों पर निबंध-संकलन पूरक पठन के लिए निर्धारित करे।

निरन्तर व्यापक मूल्यांकन योजना (सी.सी.ई.) के आधार पर कक्षा नौवीं में

मूल्यांकन करना है। अतः परीक्षा की सुविधा के लिए प्रथम सत्र (फर्स्ट टर्म) के लिए 100 अंक तथा दूसरे सत्र के लिए (सैकेंड टर्म) के लिए 100 अंक है। अतः अंकों का विभाजन इस प्रकार होगा :-

| | | |
|---|---|---|
| इकाई 1 (यूनिट 1) | = | 20 अंक |
| इकाई 2 (यूनिट 2) | = | 20 अंक |
| सत्र 1 (टर्म 1) | = | 60 अंक |
| | | ..... |
| जोड़ | = | 100 अंक |
| | | ..... |
| इकाई 3 (यूनिट 3) | = | 20 अंक |
| सत्र 2 (टर्म 2) | = | 80 अंक |
| | | ..... |
| जोड़ | = | 100 अंक |
| | | ..... |

प्रथम सत्र तथा द्वितीय सत्र की परीक्षा के लिए आदर्श प्रश्नपत्र आपकी सुविधा के लिए आगे दिए जा रहे हैं। वर्ष के अंत में दोनों सत्रों की औसत प्रतिशत निकाल कर वार्षिक परिणाम निकालें।



https://byjus.com

## प्रथम सत्र (फर्स्ट टर्म)

(इकाई 1 तथा 2 के पाठ्यक्रम पर आधारित)

### पद्य भाग

| | | | |
|---|---|---|---|
| 1. | कबीर | - | साखियां, सबद (पद) |
| 2. | ललद्यद | - | वाख |
| 3. | रसखान | - | सवैया |
| 4. | रहीम, बिहारी, वृद | - | नीति के दोहे |
| 5. | श्रीधर पाठक | - | काश्मीर सुषमा |

### गद्य भाग

| | | | |
|---|---|---|---|
| 1. | जाबिर हुसैन | - | साँवले सपनों की याद |
| 2. | हरिशंकर परसाई | - | प्रेम चन्द के फटे जूते |
| 3. | कन्हैया लाल मिश्र प्रभाकर | - | धूप-बत्ती बुझी-जली |



https://byjus.com